 Roll No. ……..

MAHL–104

साहित्यशास्त्र एवं हिन्दी समालोचना

M. A. Hindi (MAHL–12/16/17)

First Year, Examination, 2017

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. काव्य रचना के प्रयोजन के सम्बन्ध में विभिन्न विद्वानों के मतों की समीक्षा करते हुए, आचार्य मम्मट निरूपित काव्य प्रयोजनों पर प्रकाश डालिए।

2. "विचार ही सत्य है।" प्लेटो के इस कथन की समीक्षा करते हुए उनकी काव्य विषयक मान्यताओं पर प्रकाश डालिए।
3. 'विभावानुभाव व्यभिचारी संयोगाद्रसनिष्पत्तिः' में संयोग और निष्पत्ति के सन्दर्भ में विभिन्न आचार्यों द्वारा प्रस्तुत किये गये मतों का निरूपण कीजिए।
4. मैथ्यू अर्नाल्ड के कला और नैतिकता सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
2. विश्वनाथ के काव्यलक्षण पर विचार कीजिए।
3. उत्तर-आधुनिकतावाद से आप क्या समझते हैं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
4. टी. एस. इलियट के निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।
5. स्वच्छन्दतावाद का परिचय दीजिए।
6. शैलीविज्ञान से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए।
7. आचार्य विश्वनाथ और आचार्य कुन्तक की काव्य सम्बन्धी परिभाषा की तुलनात्मक समीक्षा कीजिए।
8. त्रासदी के सन्दर्भ में अरस्तू के विचारों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. आचार्य भामह ने किस ग्रंथ की रचना की ?
2. 'तद्दोषो शब्दार्थो सगुणावनलंकृति पुनः क्वापि' किस आचार्य की उक्ति है ?
3. पश्चिम में सभ्यता का प्रकाश सबसे पहले कहाँ हुआ ?
4. रीति को काव्य की आत्मा किसने माना है ?
5. आचार्य आनन्दवर्धन ने किस काव्यशास्त्रीय ग्रंथ की रचना की है ?
6. 'साहित्य जीवन की आलोचना है।' यह कथन किसका है ?
7. आचार्य कुंतक ने 'वक्रोक्तिजीवितम्' नामक ग्रंथ की रचना की। (सत्य / असत्य)
8. 'काव्यशोभाकरान धर्मान् अलंकार प्रचक्षते' आचार्य वामन का मत है। (सत्य / असत्य)
9. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' किस आचार्य का मत है ?
10. नाट्यशास्त्र की रचना किसने की ?